

UP उपचुनाव 2024

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश में विभिन्न कारणों से रिक्त हुए विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में [उपचुनाव](#) की तैयारी चल रही है।

प्रमुख बिंदु

■ परिचय:

- उपचुनाव, जिसे **उप-चुनाव** या **वर्षीय चुनाव** के रूप में भी जाना जाता है, भारत के विधायी निकायों में रिक्त सीटों को भरने के लिये आयोजित **चुनावों** को संदर्भित करता है।
- यह **व्यापक चुनावी चक्र** के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में कार्य करता है तथा अप्रत्याशित रिक्तियों को संबोधित करके नियमित चुनावों का पूरक बनता है।

■ उद्देश्य:

- उपचुनावों का प्राथमिक उद्देश्य रिक्त सीटों के लिये समय पर नामांकन सुनिश्चित करना है, ताकि प्रभावित निर्वाचन क्षेत्र या ज़िले का विधानमंडल में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके।

■ आयोजन:

- उपचुनाव तब आयोजित किये जाते हैं जब विधानमंडल में कोई सीट किसी मौजूदा सदस्य की मृत्यु, त्यागपत्र, **अयोग्यता** या नषिकासन जैसे कारणों से रिक्त हो जाती है।

■ निर्धारित समय - सीमा:

- **जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951** की धारा 151A के तहत निर्वाचन आयोग को संसद और राज्य विधानमंडलों में आकस्मिक रिक्तियों को रिक्त होने की तथिसे **छह माह के भीतर उपचुनावों के माध्यम से भरने का अधिकार दिया गया है**, बशर्ते कि रिक्तियों के संबंध में सदस्य का शेष कार्यकाल एक वर्ष या उससे अधिक हो।
- इसलिये, यदि लोक सभा का शेष कार्यकाल रिक्तियों की तथिसे एक वर्ष से कम है, तो उप-चुनाव कराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

■ प्रभाव:

- **राजनीतिक परिदृश्य पर प्रभाव:** उप-चुनाव प्रायः **राजनीतिक दलों** और उनकी लोकप्रियता के लिये एक कसौटी के रूप में काम करते हैं।
 - वे दलों को **जनता की भावना को समझने तथा अपने समर्थन आधार का आकलन** करने का अवसर प्रदान करते हैं।
- **सरकार के बहुमत पर प्रभाव:** उपचुनाव के परिणाम सत्तारूढ़ सरकार के बहुमत को प्रभावित कर सकते हैं।
 - यदि **सत्तारूढ़ दल उपचुनावों में बड़ी संख्या में सीटें हार जाती है**, तो इससे विधानमंडल में उसका बहुमत समाप्त हो सकता है, जिसका असर सरकार की स्थिरता और नरिणय लेने की क्षमता पर पड़ सकता है।
- **चुनावी रणनीतियों का परीक्षण:** उप-चुनाव राजनीतिक दलों को अपनी चुनावी रणनीतियों का परीक्षण करने तथा अपने अभियान के तरीकों को बेहतर बनाने का अवसर प्रदान करते हैं।
 - दल **उपचुनावों के दौरान उम्मीदवारों के चयन, अभियान के विषय और संदेश के साथ प्रयोग** कर सकते हैं, जो बाद के चुनावों में उनकी रणनीतियों को प्रभावित कर सकता है।